Horoscope Of

Sample

Date	01/01/1980
Time	11:00:00
Place	DELHI
Latitude	028.39.N
Longtitude	077.13.E

Zodiac Sign	CAPRICORN
Lunar Sign	GEMINI
Nakshatra Sign	MRIGASIRA
Pada	3

Provided by :-

TRIPLE-S SOFTWARE

Phone no.-91-11-27940403

E-mail:horosoft@yahoo.com,Website-www.horosoft.net

Printed On : May 31,2012

ऊँ श्री गणेशाय नमः

नाम	Sample	दादा का नाम	
लिंग	पुरुष	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/01/1980	माता का नाम	
दिन वार	मंगलवार	जाति	
जन्म समय	11:00:00	गोत्र	
जन्म समय (समय घटी में)	9: 24: 15		
जन्म स्थान	DELHI	विक्रमी संवत्	2036
अक्षांश	028.39उत्तर	शक संवत्	1901
रेखांश	077.13पूर्व		
स्थानीय समय	10:38:52	पक्ष	शुक्ल
स्थानीय तिथि	01/01/1980	चन्द्र तिथि	14
सूर्योदय	7: 14: 17	सूर्योदय कालीन तिथि	14
सूर्यास्त	17: 35: 21	तिथि समाप्ति काल	14: 31: 56
दिनमान	10: 21: 3	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	मृगशिरा
विषुव काल	17: 19: 0	नक्षत्र समाप्ति काल	18: 26: 40
भयात	41:57:17	सूर्योदय कालीन योग	शुक्ल
भभोग	60:33:55	योग समाप्ति काल	12: 44: 4
ऋतु	शिशिर	सूर्योदय कालीन करण	वणिज
भोग्य दशा	मंगल 2व 1मा 21दि	करण समाप्ति काल	14: 31: 56

अवकहड़ा चक्र

लग्न	कुम्भ
लग्नेश	शनि
राशि	मिथुन
राशीश	बुध
नक्षत्र	मृगशिरा
नक्षत्र स्वामी	मंगल
चरण	3
पाया	चांदी
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शुद्र
वश्य	मानव
वर्ग	बिलाव
नामाक्षर	का
युंजा	पूर्व
हंसक तत्व	वायु

घात चक्र

मास	आषाढ़
तिथि	2- 7- 12
दिन	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
योग	परिघ
करण	बालव
प्रहर	3
वर्ग	मूषक
चंद्रमा	कुम्भ

शुभ दिन, रत्न

शुभ दिन	शुक्रवार
शुभांक	7
शुभ रंग	सफेद
शुभ रत्न	हीरा
रत्न धातु	चांदी
रत्न धारक अंगुली	अनामिका

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	राशीश	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	कुम्भ	21 52 22		शनि	पूर्वाभाद्रपद	1	गुरु	शनि
सूर्य	धनु	16 22 49		गुरु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	चन्द्र
चन्द्र	मिथुन	02 35 44		बुध	मृगशिरा	3	मंगल	केतु
मंगल	सिंह	20 26 18		सूर्य	पूर्वाफाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु
बुध	धनु	04 44 39	अस्त	गुरु	मूल	2	केतु	चन्द्र
गुरु	सिंह	16 37 12	वक्री	सूर्य	पूर्वाफाल्गुनी	1	शुक्र	चन्द्र
शुक्र	मकर	18 06 55		शनि	श्रवण	3	चन्द्र	बुध
शनि	कन्या	03 25 01		बुध	उ फाल्गुनी	3	सूर्य	शनि
राहु	सिंह	06 51 32	वक्री	सूर्य	मघा	3	केतु	राहु
केतु	कुम्भ	06 51 32	वक्री	शनि	शतभिषा	1	राहु	राहु
यूरेनस	वृश्चिक	00 29 26		मंगल	विशाखा	4	गुरु	चन्द्र
नेप्च्यून	वृश्चिक	27 21 51		मंगल	ज्येष्ठा	4	बुध	गुरु
प्लूटो	कन्या	28 02 13		बुध	चित्रा	2	मंगल	शनि

चित्रपक्षीय अयनांशः 23: 34: 32अंश

राहु व केतु के स्पष्ट अंश हैं

जन्म लग्न

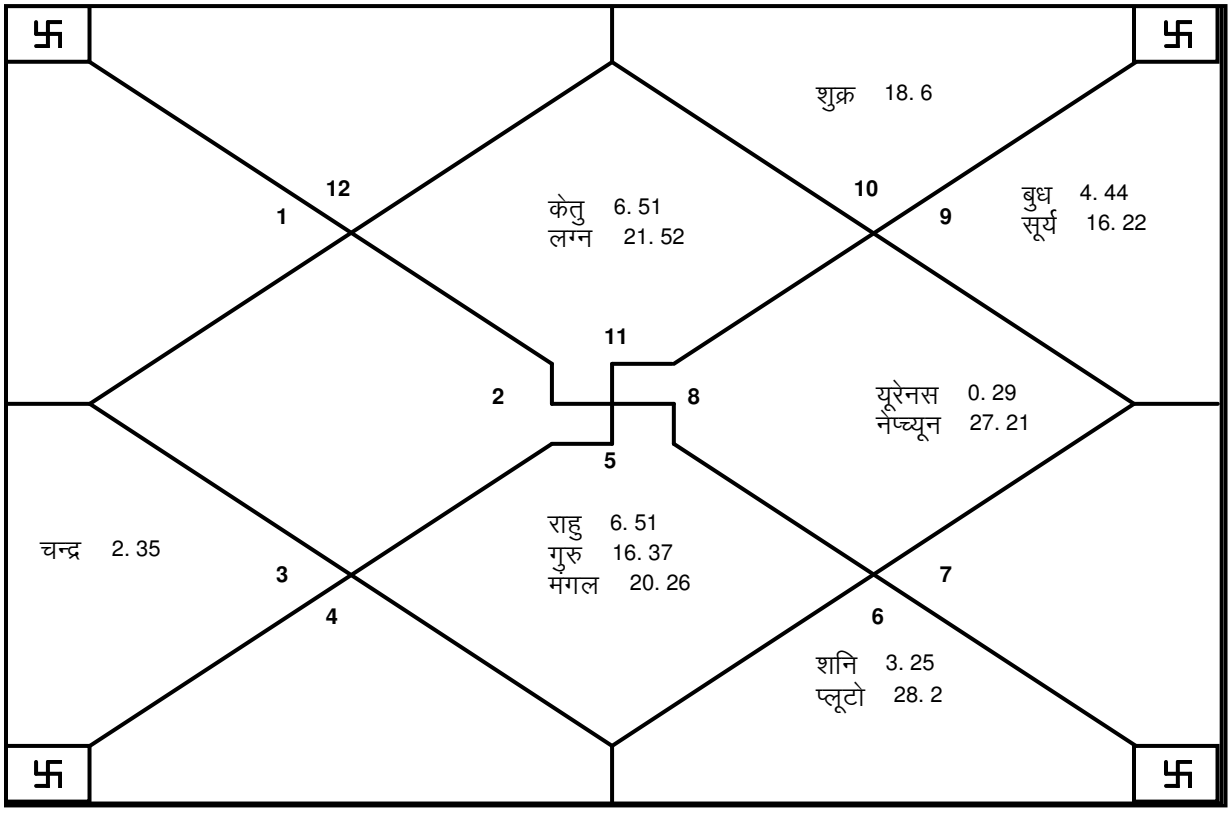

Sample

कारकत्व एवं अवस्थाएं

ग्रह	कारक		अवस्थाएं	
	चर कारक	स्थिर कारक	बालादि अवस्थाएं	शयानादि अवस्थाएं
सूर्य	मातृ	पिता	युवा	गमन
चन्द्र	दारा	माता	बाल	निद्रा
मंगल	आत्म	पराक्रम	वृद्ध	गमनेच्छा
बुध	पुत्र	बुद्धि	बाल	नृत्यलिप्सा
गुरु	भ्रातृ	धन	युवा	शयन
शुक्र	अमात्य	कलत्र	कुमार	उपवेशन
शनि	ज्ञाति	आयुष्य	मृत	उपवेशन
राहु		भ्रम	कुमार	उपवेशन
केतु		मोक्ष	कुमार	उपवेशन

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
मृगशिर	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पूर्वाफा	उ फाल्गु	हस्त
चित्रा	स्वाति	विशाख	अनुराध	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाष	उत्तराष	श्रवण
धनिष्ठा	शतभिष	पूर्वाभ	उत्तराभ	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिण

चन्द्र लग्न

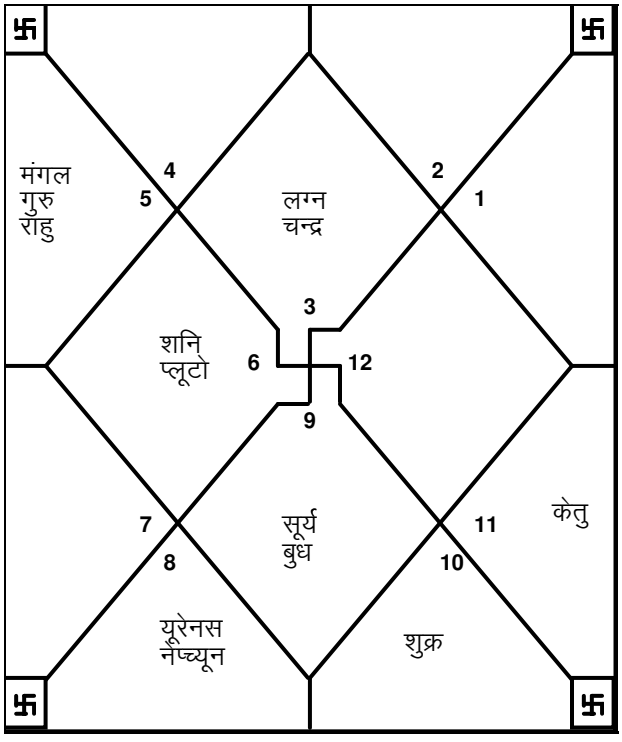

नवमांश

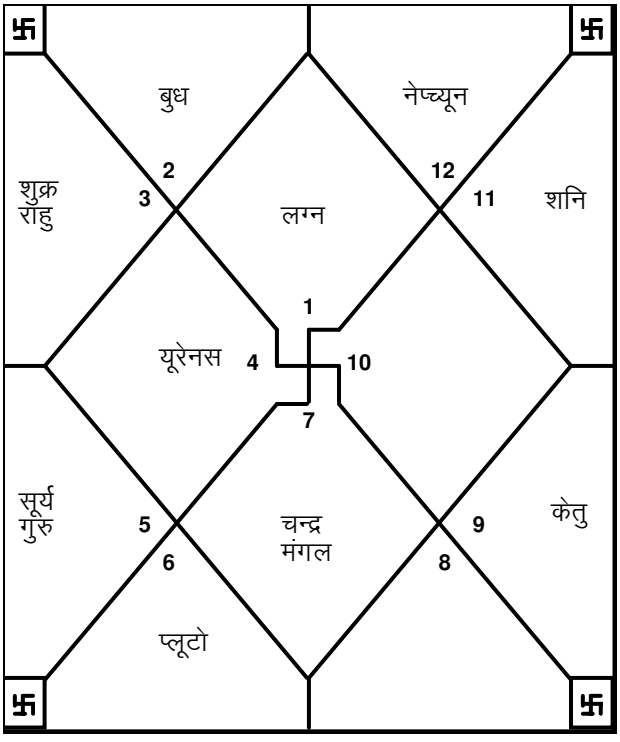

भाव स्पष्ट

भाव	आरम्भ		मध्य		अन्तय	
पहला	कुम्भ	7 43	कुम्भ	21 52	मीन	7 43
दूसरा	मीन	7 43	मीन	23 35	मेष	9 26
तीसरा	मेष	9 26	मेष	25 17	वृष	11 8
चौथा	वृष	11 8	वृष	27 0	मिथुन	11 8
पांचवा	मिथुन	11 8	मिथुन	25 17	कर्क	9 26
छठा	कर्क	9 26	कर्क	23 35	सिंह	7 43
सांतवा	सिंह	7 43	सिंह	21 52	कन्या	7 43
आठवा	कन्या	7 43	कन्या	23 35	तुला	9 26
नौवां	तुला	9 26	तुला	25 17	वृश्चिक	11 8
दसवा	वृश्चिक	11 8	वृश्चिक	27 0	धनु	11 8
ग्यारहवा	धनु	11 8	धनु	25 17	मकर	9 26
बारहंवा	मकर	9 26	मकर	23 35	कुम्भ	7 43

चलित

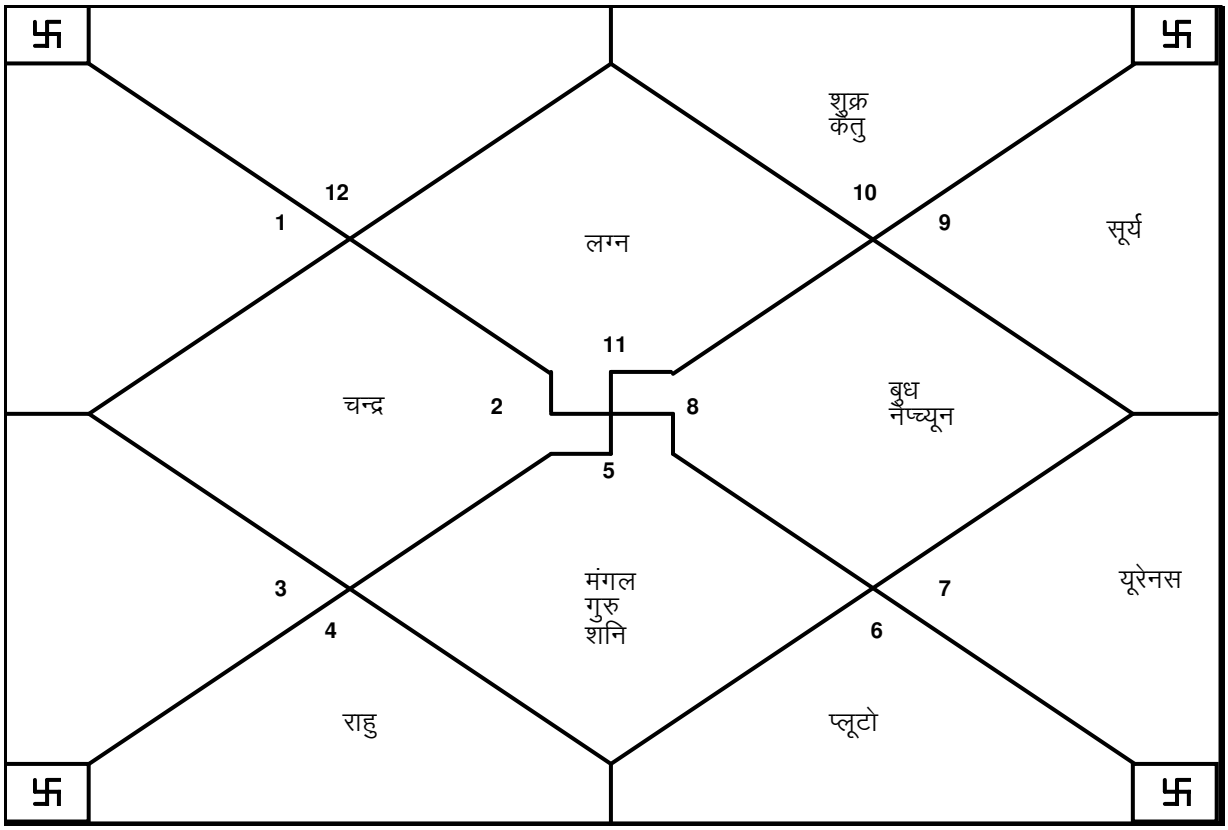

षोडशवर्ग

जन्म लग्न

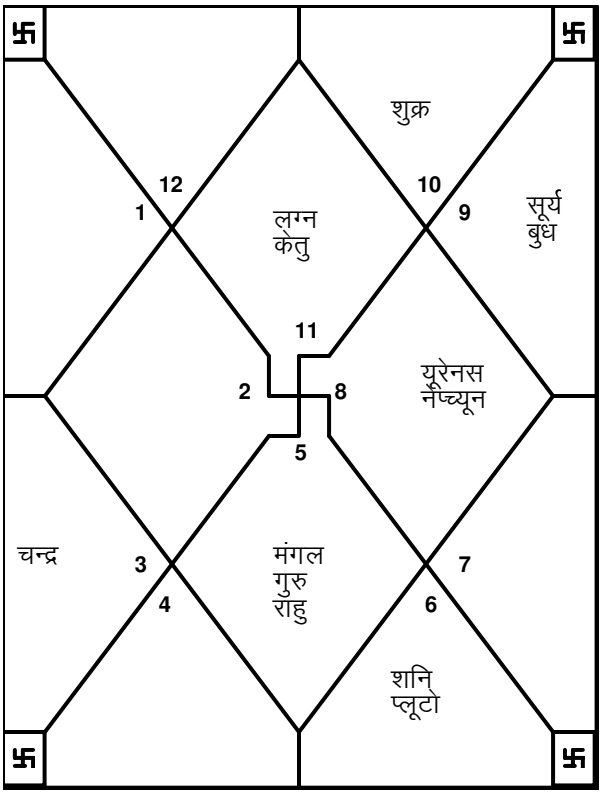

होरा "सम्पति के लिए"

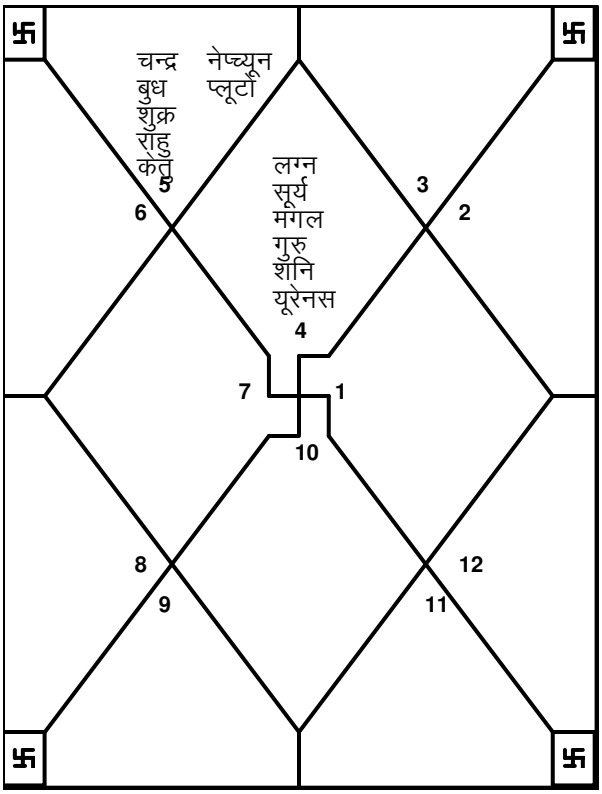

द्रेष्काण "भाई व बहनों के लिए"

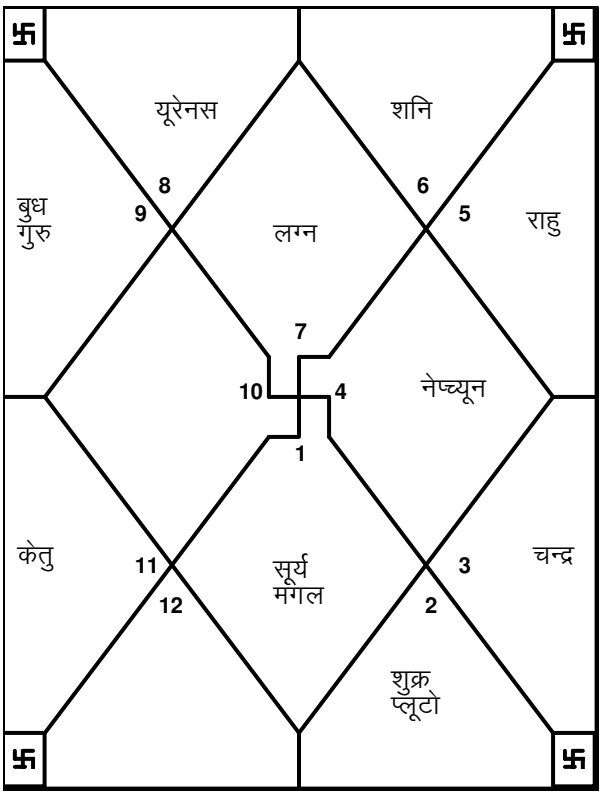

चतुर्थांश "भाग्य के लिए"

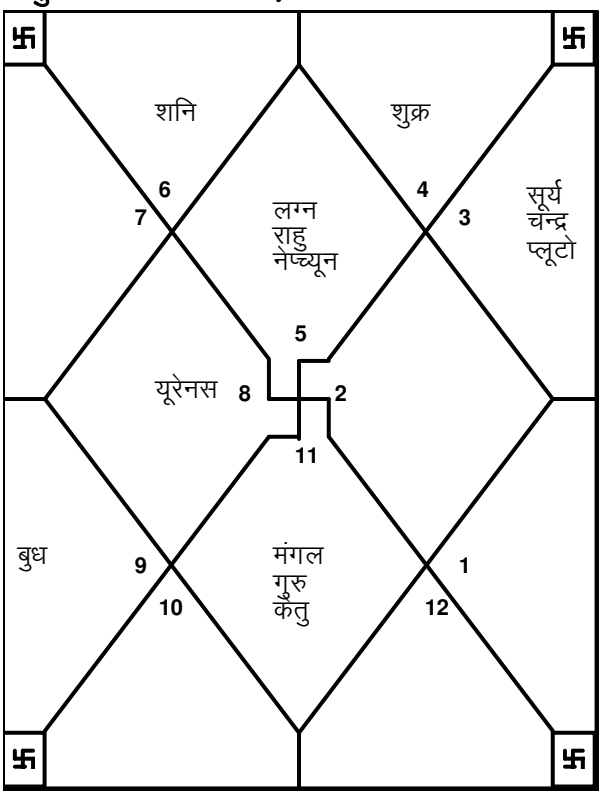

षोडशवर्ग

सप्तमांश "बच्चों के लिए"

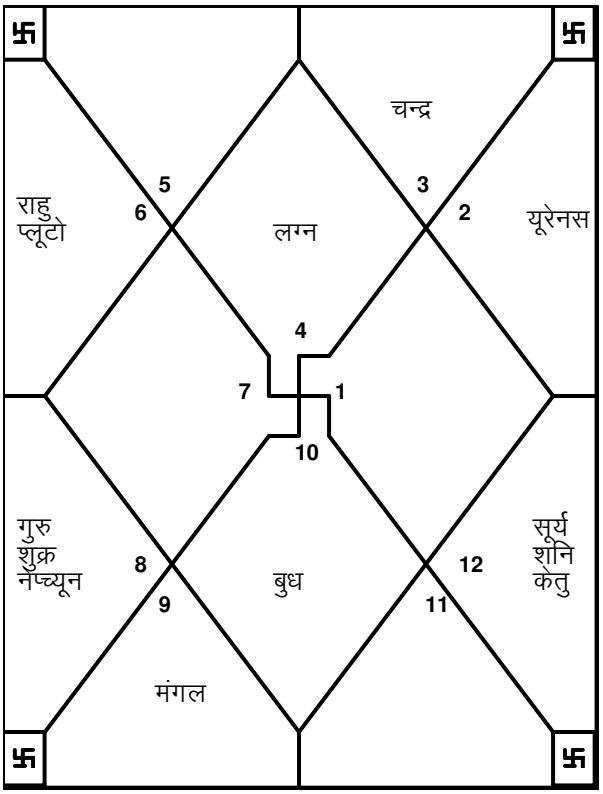

नवमांश

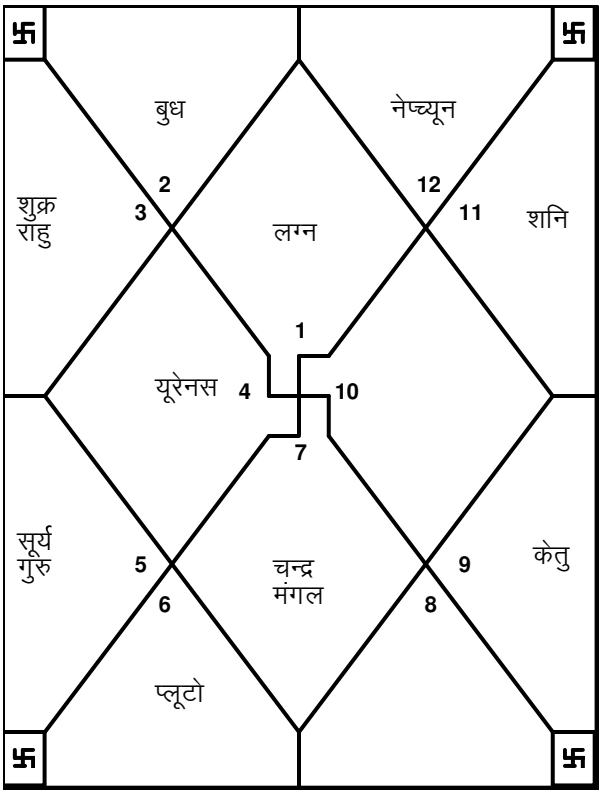

दशमांश "जीवन यापन के लिए"

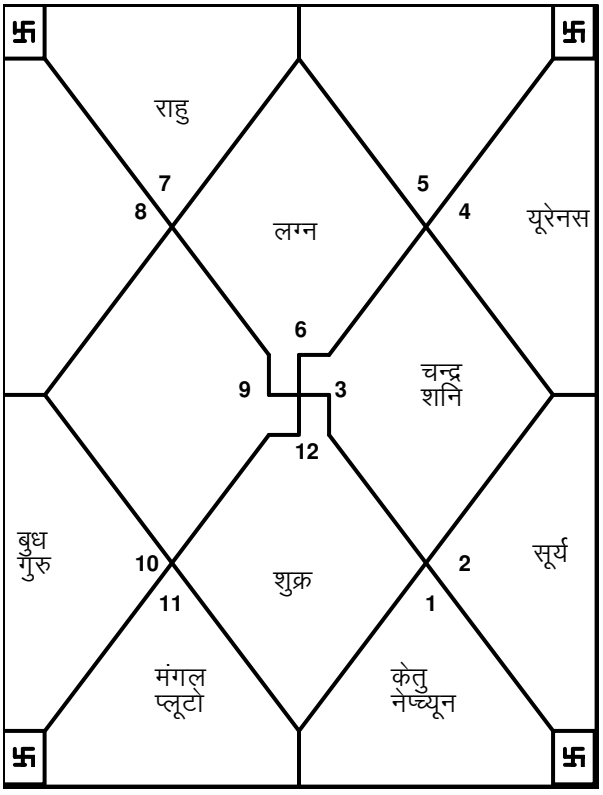

द्वादशांश "माता पिता के लिए"

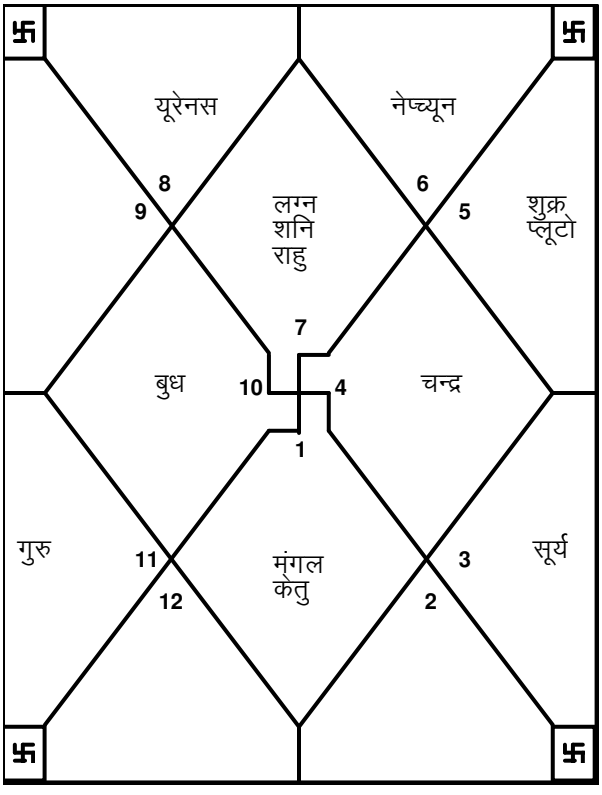

षोडशवर्ग

षोडशांश "वाहन के लिए"

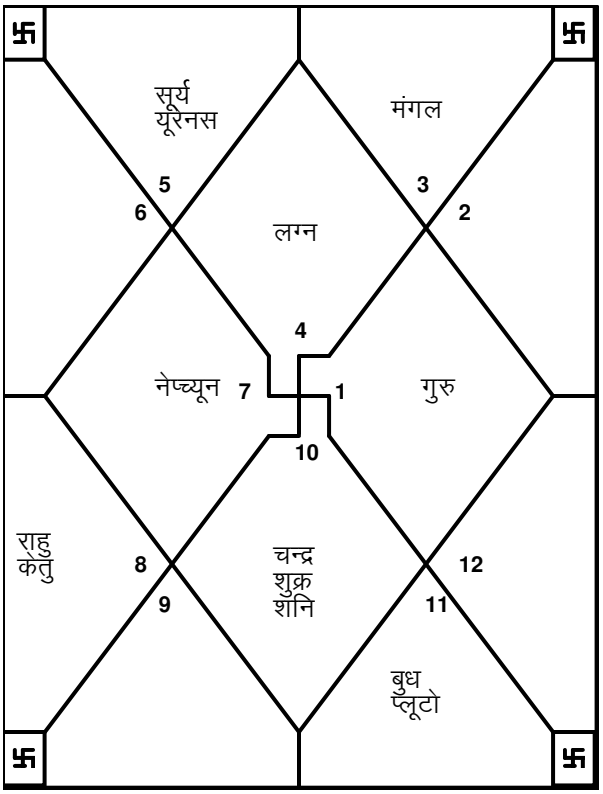

विशांश "धार्मिक प्रवृति के लिए"

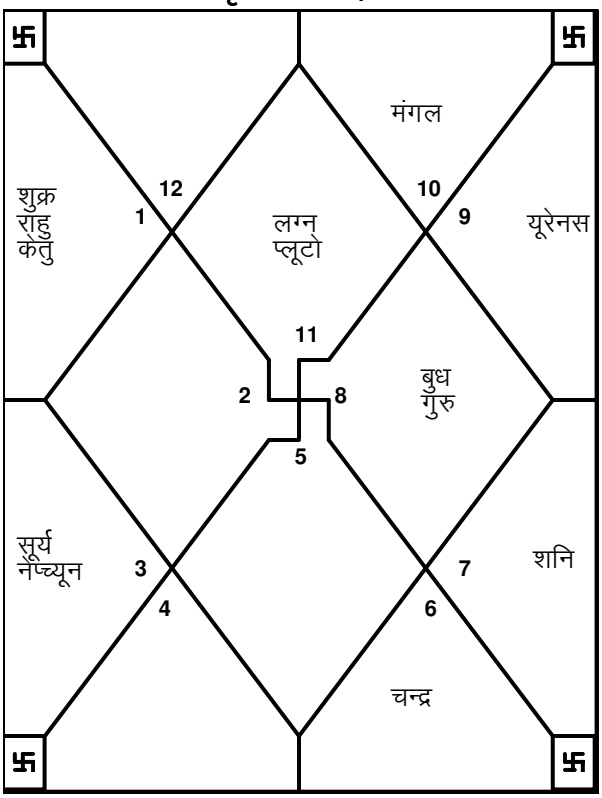

चतुर्विंशांश "विद्या के लिए"

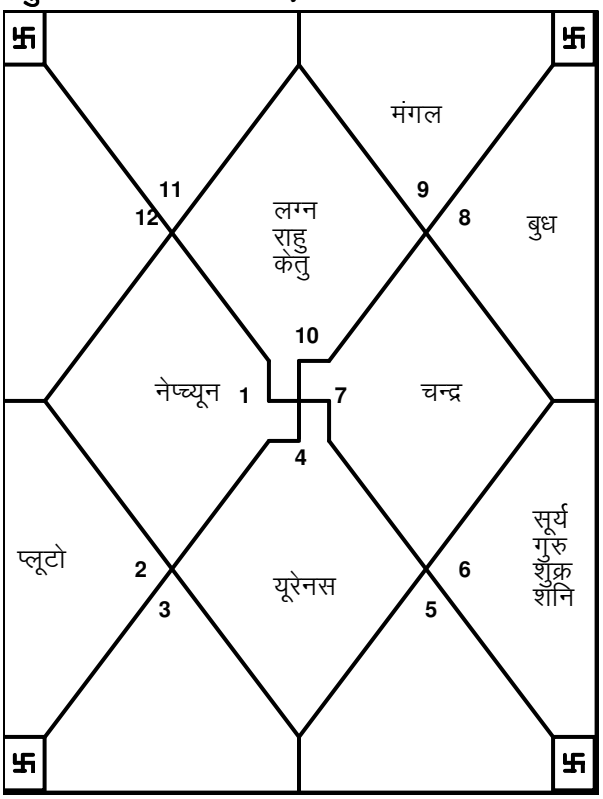

सप्तविशांश "बलाबल के लिए"

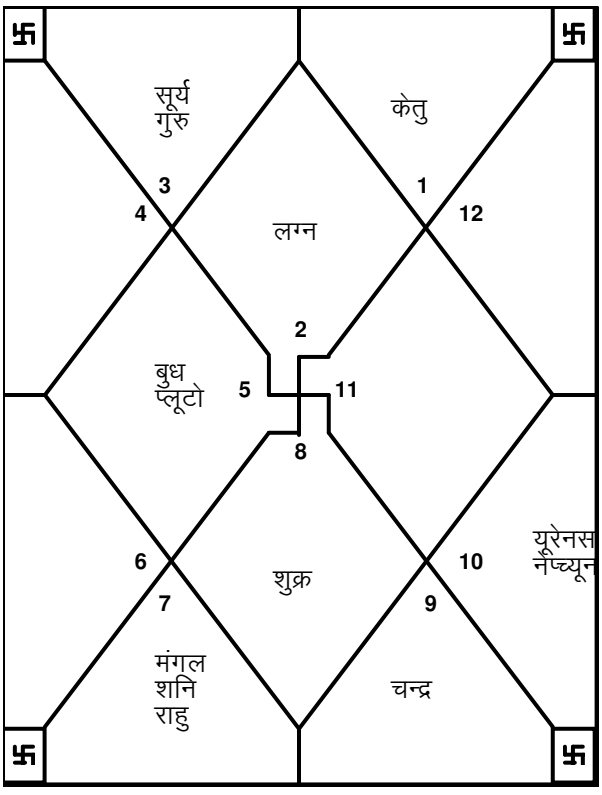

षोडशवर्ग

त्रिंशांशा "अरिष्ट के लिए"

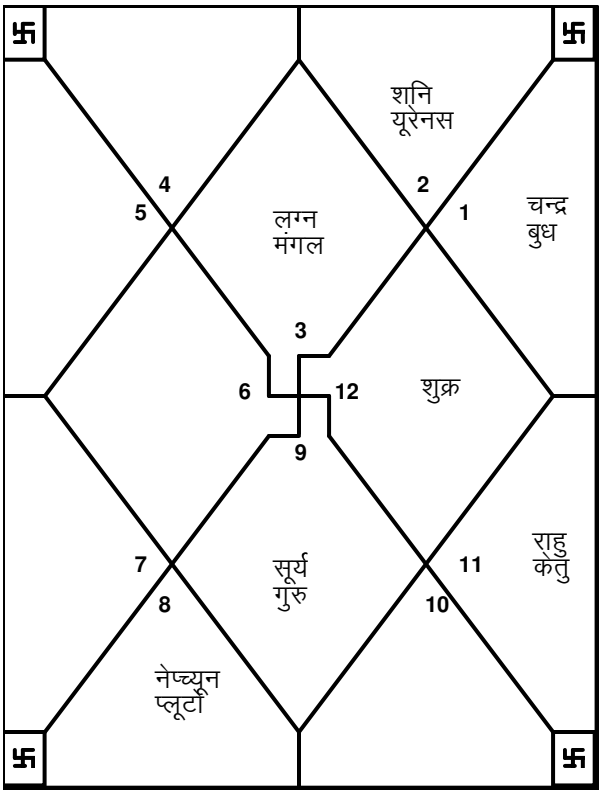

खवेदांश "शुभ के लिए"

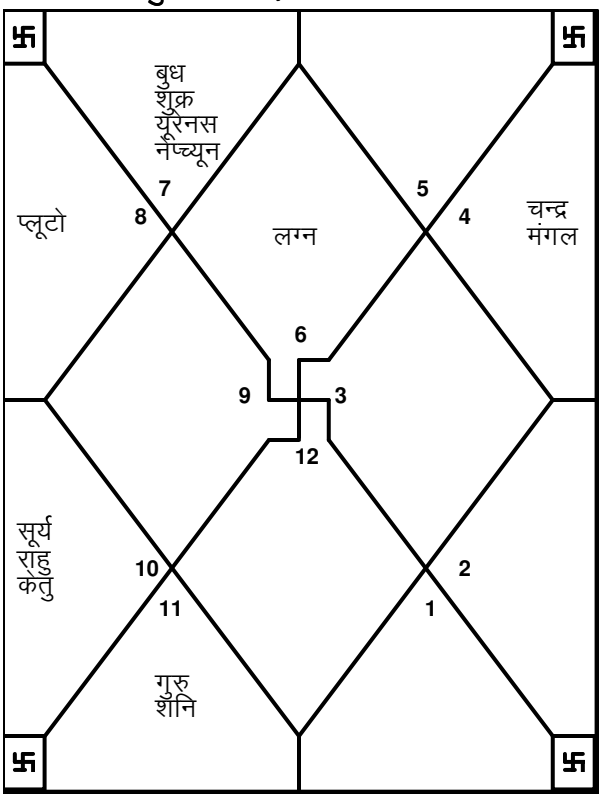

अक्षवेदांश "सर्वास्थिति के लिए"

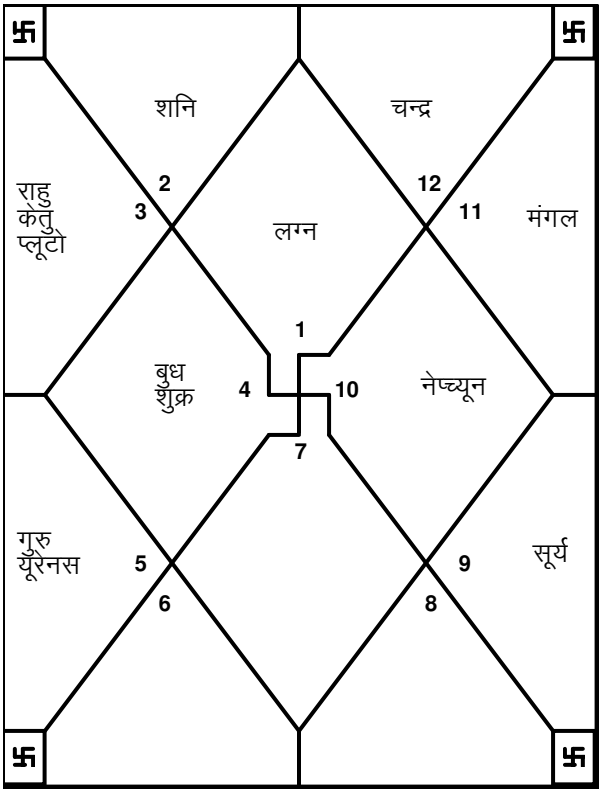

षष्ट्यंश "सर्वास्थिति के लिए"

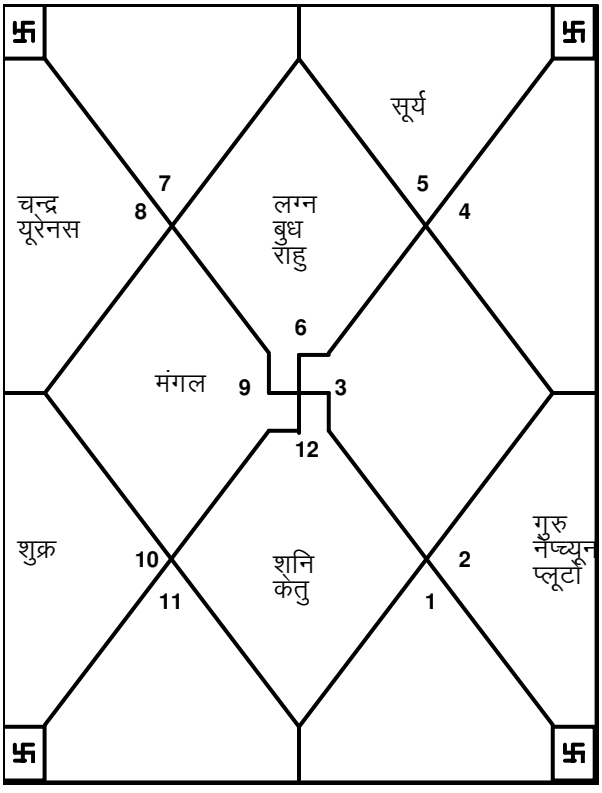

विंशोत्तरी दशा

मंगल 7 वर्ष

मंगल	00/00/0000 - 00/00/0000
राहु	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	00/00/0000 - 00/00/0000
शनि	00/00/0000 - 00/00/0000
बुध	00/00/0000 - 00/00/0000
केतु	01/01/1980 - 14/01/1980
शुक्र	14/01/1980 - 16/03/1981
सूर्य	16/03/1981 - 22/07/1981
चन्द्र	22/07/1981 - 20/02/1982

राहु 18 वर्ष

राहु	20/02/1982 - 02/11/1984
गुरु	02/11/1984 - 28/03/1987
शनि	28/03/1987 - 01/02/1990
बुध	01/02/1990 - 20/08/1992
केतु	20/08/1992 - 08/09/1993
शुक्र	08/09/1993 - 08/09/1996
सूर्य	08/09/1996 - 02/08/1997
चन्द्र	02/08/1997 - 01/02/1999
मंगल	01/02/1999 - 20/02/2000

गुरु 16 वर्ष

गुरु	20/02/2000 - 09/04/2002
शनि	09/04/2002 - 20/10/2004
बुध	20/10/2004 - 26/01/2007
केतु	26/01/2007 - 02/01/2008
शुक्र	02/01/2008 - 02/09/2010
सूर्य	02/09/2010 - 21/06/2011
चन्द्र	21/06/2011 - 20/10/2012
मंगल	20/10/2012 - 26/09/2013
राहु	26/09/2013 - 20/02/2016

शनि 19 वर्ष

शनि	20/02/2016 - 22/02/2019
बुध	22/02/2019 - 02/11/2021
केतु	02/11/2021 - 11/12/2022
शुक्र	11/12/2022 - 10/02/2026
सूर्य	10/02/2026 - 23/01/2027
चन्द्र	23/01/2027 - 23/08/2028
मंगल	23/08/2028 - 02/10/2029
राहु	02/10/2029 - 08/08/2032
गुरु	08/08/2032 - 20/02/2035

बुध 17 वर्ष

बुध	20/02/2035 - 18/07/2037
केतु	18/07/2037 - 15/07/2038
शुक्र	15/07/2038 - 15/05/2041
सूर्य	15/05/2041 - 22/03/2042
चन्द्र	22/03/2042 - 21/08/2043
मंगल	21/08/2043 - 17/08/2044
राहु	17/08/2044 - 07/03/2047
गुरु	07/03/2047 - 11/06/2049
शनि	11/06/2049 - 20/02/2052

केतु 7 वर्ष

केतु	20/02/2052 - 18/07/2052
शुक्र	18/07/2052 - 17/09/2053
सूर्य	17/09/2053 - 23/01/2054
चन्द्र	23/01/2054 - 24/08/2054
मंगल	24/08/2054 - 20/01/2055
राहु	20/01/2055 - 08/02/2056
गुरु	08/02/2056 - 13/01/2057
शनि	13/01/2057 - 22/02/2058
बुध	22/02/2058 - 20/02/2059

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	20/02/2059 - 21/06/2062
सूर्य	21/06/2062 - 21/06/2063
चन्द्र	21/06/2063 - 19/02/2065
मंगल	19/02/2065 - 21/04/2066
राहु	21/04/2066 - 21/04/2069
गुरु	21/04/2069 - 21/12/2071
शनि	21/12/2071 - 20/02/2075
बुध	20/02/2075 - 20/12/2077
केतु	20/12/2077 - 20/02/2079

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	20/02/2079 - 09/06/2079
चन्द्र	09/06/2079 - 09/12/2079
मंगल	09/12/2079 - 15/04/2080
राहु	15/04/2080 - 10/03/2081
गुरु	10/03/2081 - 27/12/2081
शनि	27/12/2081 - 09/12/2082
बुध	09/12/2082 - 15/10/2083
केतु	15/10/2083 - 20/02/2084
शुक्र	20/02/2084 - 20/02/2085

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	20/02/2085 - 21/12/2085
मंगल	21/12/2085 - 22/07/2086
राहु	22/07/2086 - 21/01/2088
गुरु	21/01/2088 - 22/05/2089
शनि	22/05/2089 - 21/12/2090
बुध	21/12/2090 - 21/05/2092
केतु	21/05/2092 - 20/12/2092
शुक्र	20/12/2092 - 21/08/2094
सूर्य	21/08/2094 - 20/02/2095

(प्रत्यंतर)

विंशोत्तरी दशा

गुरु – चन्द्र

चन्द्र	21/06/2011	-	01/08/2011
मंगल	01/08/2011	-	29/08/2011
राहु	29/08/2011	-	10/11/2011
गुरु	10/11/2011	-	14/01/2012
शनि	14/01/2012	-	31/03/2012
बुध	31/03/2012	-	08/06/2012
केतु	08/06/2012	-	07/07/2012
शुक्र	07/07/2012	-	26/09/2012
सूर्य	26/09/2012	-	20/10/2012

गुरु – मंगल

मंगल	20/10/2012	-	09/11/2012
राहु	09/11/2012	-	30/12/2012
गुरु	30/12/2012	-	14/02/2013
शनि	14/02/2013	-	09/04/2013
बुध	09/04/2013	-	27/05/2013
केतु	27/05/2013	-	16/06/2013
शुक्र	16/06/2013	-	12/08/2013
सूर्य	12/08/2013	-	29/08/2013
चन्द्र	29/08/2013	-	26/09/2013

गुरु – राहु

राहु	26/09/2013	-	04/02/2014
गुरु	04/02/2014	-	01/06/2014
शनि	01/06/2014	-	18/10/2014
बुध	18/10/2014	-	19/02/2015
केतु	19/02/2015	-	11/04/2015
शुक्र	11/04/2015	-	05/09/2015
सूर्य	05/09/2015	-	18/10/2015
चन्द्र	18/10/2015	-	30/12/2015
मंगल	30/12/2015	-	20/02/2016

शनि – शनि

शनि	20/02/2016	-	12/08/2016
बुध	12/08/2016	-	14/01/2017
केतु	14/01/2017	-	19/03/2017
शुक्र	19/03/2017	-	18/09/2017
सूर्य	18/09/2017	-	12/11/2017
चन्द्र	12/11/2017	-	12/02/2018
मंगल	12/02/2018	-	17/04/2018
राहु	17/04/2018	-	29/09/2018
गुरु	29/09/2018	-	22/02/2019

शनि – बुध

बुध	22/02/2019	-	12/07/2019
केतु	12/07/2019	-	07/09/2019
शुक्र	07/09/2019	-	18/02/2020
सूर्य	18/02/2020	-	07/04/2020
चन्द्र	07/04/2020	-	28/06/2020
मंगल	28/06/2020	-	24/08/2020
राहु	24/08/2020	-	19/01/2021
गुरु	19/01/2021	-	30/05/2021
शनि	30/05/2021	-	02/11/2021

शनि – केतु

केतु	02/11/2021	-	25/11/2021
शुक्र	25/11/2021	-	01/02/2022
सूर्य	01/02/2022	-	21/02/2022
चन्द्र	21/02/2022	-	27/03/2022
मंगल	27/03/2022	-	19/04/2022
राहु	19/04/2022	-	19/06/2022
गुरु	19/06/2022	-	12/08/2022
शनि	12/08/2022	-	15/10/2022
बुध	15/10/2022	-	11/12/2022

शनि – शुक्र

शुक्र	11/12/2022	-	22/06/2023
सूर्य	22/06/2023	-	19/08/2023
चन्द्र	19/08/2023	-	23/11/2023
मंगल	23/11/2023	-	30/01/2024
राहु	30/01/2024	-	21/07/2024
गुरु	21/07/2024	-	23/12/2024
शनि	23/12/2024	-	24/06/2025
बुध	24/06/2025	-	05/12/2025
केतु	05/12/2025	-	10/02/2026

शनि – सूर्य

सूर्य	10/02/2026	-	27/02/2026
चन्द्र	27/02/2026	-	28/03/2026
मंगल	28/03/2026	-	18/04/2026
राहु	18/04/2026	-	09/06/2026
गुरु	09/06/2026	-	25/07/2026
शनि	25/07/2026	-	18/09/2026
बुध	18/09/2026	-	06/11/2026
केतु	06/11/2026	-	26/11/2026
शुक्र	26/11/2026	-	23/01/2027

शनि – चन्द्र

चन्द्र	23/01/2027	-	12/03/2027
मंगल	12/03/2027	-	15/04/2027
राहु	15/04/2027	-	11/07/2027
गुरु	11/07/2027	-	26/09/2027
शनि	26/09/2027	-	26/12/2027
बुध	26/12/2027	-	17/03/2028
केतु	17/03/2028	-	20/04/2028
शुक्र	20/04/2028	-	26/07/2028
सूर्य	26/07/2028	-	23/08/2028

मैत्री चक्र

नैसर्गिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	मित्र	..	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	..	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	..	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	..	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	..	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	..	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	..	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	..

तात्कालिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
चन्द्र	शत्रु	..	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
मंगल	शत्रु	मित्र	..	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
बुध	शत्रु	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	..	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	..	शत्रु	शत्रु	मित्र
शनि	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	..	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	..	शत्रु
केतु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	..

पंचधा

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	सम	सम	शत्रु	सम	सम	सम	अतिशत्रु	सम
चन्द्र	सम	..	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	अतिशत्रु
मंगल	सम	अतिमित्र	..	अतिशत्रु	सम	शत्रु	मित्र	अतिशत्रु	सम
बुध	सम	अतिशत्रु	शत्रु	..	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	अतिमित्र	सम	अतिशत्रु	..	अतिशत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	अतिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	..	सम	सम	अतिमित्र
शनि	सम	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	सम	..	अतिमित्र	अतिशत्रु
राहु	अतिशत्रु	सम	अतिशत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	..	अतिशत्रु
केतु	सम	अतिशत्रु	सम	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	अतिशत्रु	अतिशत्रु	..

Sample

अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	6	4	5	4	4	4	3	4	5	3	2	4	48
चन्द्र	5	4	5	6	2	4	4	5	4	2	4	4	49
मंगल	5	5	4	3	3	3	2	4	3	1	4	2	39
बुध	6	6	3	4	4	6	3	6	3	3	4	6	54
गुरु	2	5	5	3	6	5	6	5	4	3	7	5	56
शुक्र	7	6	5	4	3	3	6	3	4	4	4	3	52
शनि	2	3	4	6	2	2	3	5	5	4	2	1	39
लग्न	4	5	3	3	4	5	3	6	4	4	4	4	49
कुल	37	38	34	33	28	32	30	38	32	24	31	29	386
कुल लग्न के बिना	33	33	31	30	24	27	27	32	28	20	27	25	337

शोधित अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	2	0	3	0	0	1	0	0	1	0	0	0	7
चन्द्र	1	2	1	2	0	2	0	1	2	0	0	0	11
मंगल	0	4	2	1	0	2	0	0	0	0	2	0	11
बुध	2	3	0	0	1	3	0	2	0	0	1	2	14
गुरु	0	1	0	0	4	2	1	2	2	0	2	0	14
शुक्र	4	2	1	1	0	0	2	0	1	1	0	0	12
शनि	0	0	2	5	0	0	0	4	3	2	0	0	16
लग्न	0	1	0	0	0	1	0	3	0	0	1	1	7

पिंड

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	52	79	92	120	123	88	105
ग्रह पिंड	30	35	20	33	102	22	54
सोध्य पिंड	82	114	112	153	225	110	159

Sample

मिलान तालिका

यदि आप अविवाहित हैं तो निम्नांकित सूचना आपके लिये उपयोगी होगी । अपने भावी जीवन साथी से गुण दोष मिलान के लिए उसका नक्षत्र व चरण निम्नांकित तालिका से मिलाइए ।

नक्षत्र	चरण	गुण	दोष	मिलान
अश्विनी	1 - 4	26		मध्यम है ।
भरणी	1 - 4	18	3	अच्छा नहीं है ।
कृतिका	1 - 1	20		मध्यम है ।
कृतिका	2 - 4	17	+4	अच्छा नहीं है ।
रोहिणी	1 - 4	27	0,4	मध्यम है ।
मृगशिरा	1 - 2	19	3,4	मध्यम है ।
मृगशिरा	3 - 4	28	3	मध्यम है ।
आर्द्रा	1 - 4	34		उत्तम है ।
पुनर्वसु	1 - 3	32		उत्तम है ।
पुनर्वसु	4 - 4	19	4	मध्यम है ।
पुष्य	1 - 4	11	3,4	अच्छा नहीं है ।
अश्लेषा	1 - 4	12	4	अच्छा नहीं है ।
मघा	1 - 4	21		मध्यम है ।
पूर्वाफाल्गुनी	1 - 4	19	3	मध्यम है ।
उ फाल्गुनी	1 - 1	28		मध्यम है ।
उ फाल्गुनी	2 - 4	32		उत्तम है ।
हस्त	1 - 4	32		उत्तम है ।
चित्रा	1 - 2	18	3	अच्छा नहीं है ।
चित्रा	3 - 4	12	3,5	अच्छा नहीं है ।
स्वाति	1 - 4	26	+5	मध्यम है ।
विशाखा	1 - 3	19	+5	मध्यम है ।
विशाखा	4 - 4	11	6	अच्छा नहीं है ।
अनुराधा	1 - 4	10	3,6	अच्छा नहीं है ।
ज्येष्ठा	1 - 4	12	6	अच्छा नहीं है ।
मूल	1 - 4	21		मध्यम है ।
पूर्वाषाढ़ा	1 - 4	19	3	मध्यम है ।
उत्तराषाढ़ा	1 - 1	25	+2	मध्यम है ।
उत्तराषाढ़ा	2 - 4	20	2,+6	मध्यम है ।
श्रवण	1 - 4	23	-6	मध्यम है ।
धनिष्ठा	1 - 2	08	3,6	अच्छा नहीं है ।
धनिष्ठा	3 - 4	11	3,5	अच्छा नहीं है ।
शतभिषा	1 - 4	20	+5	मध्यम है ।
पूर्वाभाद्रपद	1 - 3	24	+5	मध्यम है ।
पूर्वाभाद्रपद	4 - 4	24		मध्यम है ।
उत्तराभाद्रपद	1 - 4	17	3	अच्छा नहीं है ।
रेवती	1 - 4	25		मध्यम है ।

दोष प्रकार

0 रन्ध्र दोष : 1 गण महा दोषः 2 योनि दोषः 3 नाड़ी दोष
4 द्विर्द्वादश दोष : 5 नवपंच दोषः 6 भकूट दोषः

सामान्य लक्षण

कुम्भ आपका लग्न चिह्न है

शनि द्वारा शासित राशि चक्र के ग्यारहवें चिह्न, कुम्भ राशि में आपका जन्म हुआ है । आपकी गर्दन मोटी होगी । आप आत्म सम्मान को बहुत महत्व देते है । मित्रों व सम्बन्धियों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है । आपके सिर पर बाल कम हो सकते है । बचपन में आपको कुछ सुख प्राप्त हुए होंगे लेकिन जीवन के परवर्ती भाग में आप सुखी रहेंगे । जीवन के परवर्ती भाग में आपको सम्पत्ति और जायदाद प्राप्त होगी । भाईयों से कुप्रभाव मिलेगा । 24–25 वर्ष की आयु से आप भाग्यशाली होंगे । आप दार्शनिक और जिज्ञासु, अत्यंत शिक्षित व शांतिप्रिय, सभी प्रकार की चीजों के बारें में निरन्तर सोचते रहने वाले, दूसरों की सहायता करने वाले, तेज स्मरण शक्ति वाले और सोचने में तीव्र स्पष्टवादी व्यक्ति है । कई उतार चढ़ावों का सामना होगा । आप लंबे और आकर्षक व ओजस्वी व्यक्तित्व के स्वामी है । आप कई कठिनाईयों का सामना करते है लेकिन निर्भय है । आप व्यवहार कुशल है और राजनीति में रुचि लेते है । सार्वजनिक संस्थानों में भी आपकी रुचि है । आप खेल कूद में रुचि रखते है । आपका शरीर गठीला और मजबूत है । आप अत्यंत उदार है । आप जमीन व सम्पत्ति के स्वामी होंगे लेकिन सावधानी से व्यय करेंगे । आप अपने विचारों व कार्यों में दृढ़ है । आपको पार्टियों और क्लबों में जाना पसंद है और सम्भवतः आपकी प्रतिष्ठा अच्छी न हो । आप अपने भावों या प्रेम को प्रकट नहीं करते है । आप होशियार है । आप शिक्षित और बुद्धिमान साथी को प्राथमिकता देते है ।

चूंकि आप मृगशिरा नक्षत्र में पैदा हुए थे, आप युद्ध और युद्ध कौशल में सफल होंगे । आप विनम्र संवेगशील सत्ता के उच्चाधिकारियों द्वारा सम्मानित होंगे । अच्छी चीजों का मूल्य समझेंगे और हमेशा सही रास्ता चुनेंगे ।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

सातवें गृह का स्वामी, ग्यारहवें घर में सूर्य दर्शाता है कि कई स्थानों की यात्रा करेंगे और धन व यश अर्जित करेंगे । आप गुणवान व्यक्ति है । आपकी जीवन साथी प्रभावशाली और गरिमायुक्त व्यक्तित्व कि होंगी । आप धार्मिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति है और आपको तत्व ज्ञान का सम्पूर्ण ज्ञान है । अपने प्रशंसनीय कार्यों से आप यश व सम्मान अर्जित करेंगे और आपकी आय में वृद्धि होगी ।

आपके पुत्र धनी और भाग्यशाली होंगे । आप धनी, शक्तिशाली होंगे और कई प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ आपकी मित्रता होगी । आप बुद्धिमान है और गणित का आपका ज्ञान अच्छा है । विभिन्न स्त्रोतों से ठोस आमदनी होगी । आप धनी व्यक्ति होंगे । आप एक प्रकार के धर्म के ज्वर से पीड़ित हो सकते है । अपने कर्मचारियों से आपके मधुर सम्बन्ध होंगे । आप बहुत धनी, प्रतिष्ठित और एक शक्तिशाली पद पर पदासीन होंगे । चारों ओर समृद्धि और घरेलु जीवन में प्रसन्नता रहेगी । अच्छी संतान पैदा होगी ।

आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर लेते है । आप आदर्शवादी, चरित्रवान और झगड़ों से बचने वाले व्यक्ति है । आप दूसरों की ओर से बीच–बचाव करेंगे । आप वार्तालाप में निपुण और एक अच्छे वाचक है । आप तेज, कुशाग्र बुद्धि वाले, अहंकारी आत्म–निर्भर व्यक्ति है । स्वयं द्वारा कमाई गई पूंजी शक्ति, पद, यश और

राजनैतिक सफलता में वृद्धि होगी ।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

चंद्र के षष्ठेश होकर पंचम भाव में होने के कारण आप बहुत चिन्तित रहते है । कई बातों की चिंताएँ आपको सताती रहती हैं, जैसे संतान, विरोधियों, आर्थिक स्थिति इत्यादि । फिर भी आपकी नियति प्रभावकारी है जो आपको सुरक्षा प्रदान करती रहेगी ।

आप खर्चीले होंगे । आप बहुत बुद्धिमान है । भार्या सुन्दर होगी एवं आपके खूब लड़के लड़कियाँ होंगी । कई शुभकृत्य करेंगे । काफी सुख पाएँगे । आप बुद्धिमत्ता पूर्ण निर्णय लेते है और चतुर सलाहकार साबित होंगे । आपका स्वभाव संवेदना पूर्ण होगा । भोगों के आप प्रेमी है ।

चंद्र मिथुन में : आप लंबे कद एवं घुंघराले बालों वाले व्यक्ति होंगे । आपकी नाक चपटी, ताम्रवर्णी आँखें तथा समितियुक्त, पीला चेहरा होगा । आप चालाक, हाजिर जवाब, कर्मठ, पैनी बुद्धि वाले और अच्छे भोजन के प्रेमी व्यक्ति होंगे । संगीत एवं नृत्य के भी आप प्रेमी होंगे । दूसरों के मन का भाव आप फौरन ताड़ जाते है । प्रतिपदा, सप्तमी एवं द्वादशी तिथियाँ आपके लिए अशुभ होंगी । वृष, सिंह, कन्या एवं तुला चंद्र राशि वाले लोग आपके मित्र होंगे । वैज्ञानिक एवं साहित्यिक कृतियों में आपकी रुचि होगी । आप भ्रमण प्रेमी होंगे । अचानक एवं अनपेक्षित धन संपत्ति मिलेगी । आपके एक से अधिक व्यवसाय होंगे । हरे नग युक्त अंगूठी आपके लिए शुभ सिद्ध होगी ।

मंगल ग्रह का प्रभाव

तीसरे और दसवें गृह का स्वामी, सातवें गृह में मंगल दर्शाता है कि आपका जीवन साथी प्रतापी और रूपवान होगा । पारिवारिक दृष्टि से प्रसन्नता होगी । आप बहुत संवेगशील होंगे और ससुराल से अनुकूल पक्ष रहेगा । जीवन साथी के सम्बन्ध में आप भाग्यशाली होंगे हालांकि कुछ वैचारिक मतभेद का सामना करना होगा " व्यवसाय में स्थिरता, प्रतिष्ठा व सम्मान प्राप्त होगा । समाज व सत्ता में ऊँची प्रसिद्धि होगी । आप कुशल प्रशासक है और अपने भाग्य को सुन्दर बनाने के लिए साहस और मानसिक शक्ति का प्रयोग करेंगे । आपके जीवन साथी को अनुकंपा और प्रसिद्धि प्राप्त होगी लेकिन स्वभावतः वह क्रोधी होगा । व्यवसाय में आप कठिन परिश्रम करेंगे और थकान अनुभव नहीं करेंगे ।

सातवें गृह में मंगल के कारण आपका पेट दुर्बल है । जीवन–साथी से अलगाव की सम्भावना है । कानूनी मुकदमों में हार और लगातार झगड़ें होंगे । आपके कई भाई होंगे । स्त्री वर्ग के साथ कलह, झगड़ें, धन हानि कुटिल सहयोगी, जीवन–साथी की अस्वस्थता और सुदूर स्थानों की यात्रा मंगल के कारण होती है ।

सिंह राशि में मंगल : आप अत्यंत साहसी, नियमों के पक्के, अनुग्रहशील और जरूरतमंदों की सहायता करने वाले व्यक्ति है । आप एक दक्ष व्यक्ति है ।

बुध ग्रह का प्रभाव

बुध के पंचमेश और अष्टमेश होकर एकादश भाव में होने के फलस्वरूप आप अच्छी

शिक्षा प्राप्त करेंगे, समाज में सम्मानित होंगे तथा संगीत एवं कला के प्रेमी रहेंगे । विद्या के द्वारा आपको सुख मिलेगा । संतान से प्रसन्न रहेंगे । आप बुद्धिमान हैं, धनी है और दीर्घायु होंगे । विदेश सेवा से आमदनी होगी, वसीयत से लाभ होगा । आप आत्म केन्द्रित है ।
आपके दोस्त विज्ञान–वेता है । आपको उच्च कोटि की शिक्षा मिली है, अच्छा घर है तथा रत्न–माणिकों के आप शौकीन है । आप विद्वान, धनी, प्रसिद्ध और विलास–प्रिय है । आप सत्य प्रेमी है ।
आप सहृदय, एवं दानवीरता के लिए प्रसिद्ध व्यक्ति है जो समाज द्वारा सम्मानित है । आप बुद्धिमान है और एक अच्छे लेखक है ।

गुरु ग्रह का प्रभाव

गुरु के द्वितीयेश और एकादशेश होकर सप्तम भाव में स्थित होना आपकी पत्नी के अत्यधिक सुन्दर होने का सूचक है । आप सहृदय, भाव प्रवीण और धनी व्यक्ति होंगे एवं दीर्घायु होंगे । आपकी पत्नी प्रभावशाली होगी । पत्नी पर आप जी खोलकर पैसा बहायेंगे । पत्नी से धन–प्राप्ति भी होगी । औषधियों में आपकी दिलचस्पी होगी । विपरीत–लिंग के प्रति आकर्षित रहेंगे । आपका मस्तिष्क शक्तिशाली है और आप गहरे विचारक है । संतान से सुख मिलेगा । पैतृक सम्पत्ति के कारण कुछ विवाद उठ खड़े होंगे ।
अच्छी शिक्षा, शीघ्र विवाह, व्यापार में सफलता और गुणवती पत्नी प्राप्ति की पूर्ण सम्भावना है । गुरु "बृहस्पति" बताता है कि आप परोपकारी कृत्य करेंगे, सुखी एवं खुशहाल रहेंगे । पिता से अधिक प्रख्यात होंगे एवं सौन्दर्यवान होंगे । आप बुद्धिमान होंगे, ज्योतिष के ज्ञानी होंगे काफी भ्रमण करेंगे और आप में बुद्धि चातुर्य श्रेष्ठ होगा ।
आप एक कर्तव्य परायण एवं कुशल कार्यकर्ता है । आप सभा – सोसाइटियों में हिस्सा लेते है और एक अच्छे वक्ता है । विरोधियों को आप बस में कर लेंगे । आप बहुत धार्मिक स्वभाव के है और सरकार व समाज में अच्छी प्रतिष्ठा है ।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

शुक्र के चतुर्थेश व नवमेश होकर द्वादश भाव में होने के कारण आप बहुत गर्वीले होंगे । विदेशों की कई यात्राएँ करेंगे । आप अति सुन्दर व बुद्धिमान है तथा विद्वान भी । थोड़ा दुखी रहेंगे तथा विलास एवं बाग बगीचों भवन निर्माण इत्यादि पर काफी खर्च करेंगे । भाईयों और मित्रों से विरोध मिलेगा । आपको बड़े उद्यमों में सफलता मिलेगी । आप गृह स्वामी हो सकते है परंतु भूमि एवं विलास सामग्री से कष्ट ही मिलेगा । आपकी विचित्र प्रकृति है ।
शुक्र के द्वादश भाव में होने के कारण आप न्याय–प्रिय है । विलासी स्वभाव के आप थोड़े आलसी भी है । स्त्री–वर्ग की ओर आपका सहज झुकाव रहेगा । आप मितहारी है । अपने बुद्धि चातुर्य से शत्रुओं का पराभव कर देते है । आप वैसे चतुर है लेकिन अपनी विलास–प्रिय आदतों के कारण अपनी प्रतिष्ठा नष्ट कर सकते है । पुत्रों से अधिक पुत्रियाँ हो सकती हैं । समाज और परिवार में अपनी प्रसिद्धि घटाएंगें । बहुत सम्भव है कि आप एक कवि हैं आप ज्ञानी है और कलाप्रेमी है

। स्वनिर्मित व्यक्ति आप प्रसिद्ध होंगे और धन लाभ के कई स्त्रोत प्राप्त करेंगे । शुक्र सुख सम्पत्ति वृद्धि भोग और भारी व्यय भी देता है । सम्बन्धों का क्षय होगा । आपकी पापपूर्ण प्रवृत्तियां रहेंगी । आपके मोटे होने की सम्भावना है ।
मकर राशि गत शुक्र आपको मितव्ययी बनाता है । हृदय रोग से आप पीड़ित हो सकते है । सुख में कुछ कमी रहेगी और आपको हृदय रोग हो सकता है । आत्म सम्मान को आप बहुत महत्व देंगे । आप स्वभाव से गंभीर और विचारों में डूबे रहने वाले व्यक्ति है ।

शनि ग्रह का प्रभाव

शनि के लग्नेश एवं द्वादशेश हो कर अष्टम भाव में होने के कारण आपका बचपन कष्टदायी हो सकता है पर परवर्ती जीवन में खूब सुख – सुविधाएँ भोगेंगे । पत्नी दृढ़ मति की होगी और दुर्दिन में बहुत सहायता करेगी । आप चतुर और चालाक है पर धन–प्राप्ति में बहुत बाधाएँ झेल सकते है । आपका मिजाज गर्म है । आप योग्य व्यक्ति है लेकिन चालबाज है । स्त्री–वर्ग आपको प्रिय है । आप कजूंस मानें जाते है । आपकी वाणी कठोर है । शारीरिक दुख झेलना पड़ सकता है । कभी–कभी आप दूसरों पर निर्भर भी रह सकते है । धन संग्रह का आप प्रयत्न करते है । बुरी संगति के कारण बदनाम होते है । आप दीर्घजीवि है । संतान व सम्पत्ति सुख में अद्यात और धक्के महसूस करने की सम्भावना है । पारिवारिक कष्ट पाते है । शनि सुख में बाधा पहुँचाता है और धन हानि करता है ।
अष्टम शनि अच्छी खुराक देता है । आप दीर्घायु होंगे । धन हानि होगी, बवासीर, अपच तथा अन्य लंबी बीमारियाँ भोगेंगे । अष्टम शनि विवाद, झगड़े, अपराधीय चेष्टाएं बुरा स्वास्थ्य और कानूनी सजा का भी द्योतक है । आप बहुत चतुर है । शरीर के स्थूल होने की सम्भावना है । आँखों का रोग हो सकता है । आप दुर्व्यसनी हो सकते है । अपनी प्रयोजना की सफलता में बहुत सी रुकावटें और अड़चने झेलेंगे । परिवार का विरोध भी सहना पड़ सकता है । आप कष्ट पाएंगे और सरकार व समाज में साख बिगड़ेगी । पैतृक धन खर्च कर देंगे । संतान व सम्पत्ति के कारण कष्ट पाएंगे । वृश्चिक का शनि बुरी संगति और वैवाहिक सुख में आभाव देता है । आपका क्रोधी स्वभाव है । आप कठोर हृदयी एवं लालची है । दुर्घटना की अधिक आशंका रहेगी । पवित्र ग्रन्थों का आपको विशद् ज्ञान होगा । आप प्रभावी है और चर्म रोगी हो सकते है ।
शनि कन्या में : आप बहुत बलशाली एवं रौब – दाब वाले व्यक्ति है । आप धनी एवं उच्च शिक्षित व्यक्ति है । या तो आप एक अच्छे लेखक है या एक सुयोग्य वक्ता । दूसरों की आप सहायता करते है । आपका मन स्थिर है । विज्ञान के आप प्रेमी है ।

राहु ग्रह का प्रभाव

सातवें गृह में राहु दर्शाता है कि आप कई देशों का भ्रमण करेंगे । जीवन साथी की अस्वस्थता या उससे अलगाव होगा । साझे के धंधे में हानि हो सकती है । कुटिल व्यक्तियों की संगति और अपयश हो सकता है । आप वाचाल है । आपको मूत्र सम्बन्धी व्याधियाँ हो सकती है । महिलाओं के कारण सम्पत्ति में नुकसान हो

सकता है । आप चरित्रवान, क्रोधी, सुखों पर अधिक व्यय करने वाले व्यक्ति है । सामाजिक व सार्वजनिक मान सम्मान में कभी कभी कुछ आभाव व दुर्बलता महसूस करते है । दामपत्य जीवन में बैचेनी अनुभव करते है । जोड़ों के दर्द की सम्भावना है । कभी कभी यात्रा में नुकसान उठाते है । आप दूसरी जाति में विवाह कर सकते है । आपके स्वास्थ्य व स्फूर्ति में हानि की सम्भावना है । कुटिल व दुष्चरित्र लोगों की संगति पसंद होगी ।

केतु ग्रह का प्रभाव

पहले गृह में केतु दर्शाता है कि आपको धर्म दर्शन में रुचि होगी और आप दैवीय शक्तियों में विश्वास रखेंगे । आप बहुत धार्मिक है । आपकी अस्वस्थता की सम्भावना है । आप बेतरतीब कपड़े पहनते है । आप के गालों की हड्डि उन्नत है और दोनो गाल चिपके होंगे । कुसंगति के कारण अपयश है । आपका अस्थिर चित्त है । आप हमेशा चिन्तित व परेशान रहते है । आप किंचित भीरु है । केतु दर्शाता है कि आदर व सम्मान व सम्पत्ति में हानि होगी, शारीरिक कष्ट होंगे और अत्यधिक निराशा होगी । आप जोड़ों के दर्द से पीड़ित रहेंगे । जीवन साथी के प्रति चिन्ता रहेगी । बचपन में अस्वस्थता है । उदर रोगों से ग्रस्त रहने की सम्भावना है ।

वर्षफल

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण
लग्न	कुम्भ	21 52 22	पूर्वाभाद्रपद	1	लग्न	वृष	24 09 01	मृगशिरा	1
सूर्य	धनु	16 22 49	पूर्वाषाढ़ा	1	सूर्य	धनु	16 22 49	पूर्वाषाढ़ा	1
चन्द्र	मिथुन	02 35 44	मृगशिरा	3	चन्द्र	मीन	18 15 13	रेवती	1
मंगल	सिंह	20 26 18	पूर्वाफाल्गुनी	3	मंगल	सिंह	26 11 04	पूर्वाफाल्गुनी	4
बुध	धनु	04 44 39	मूल	2	बुध	वृश्चिक	26 23 23	ज्येष्ठा	3
गुरु	सिंह	16 37 12	पूर्वाफाल्गुनी	1	गुरु	मेष	06 24 18	अश्विनी	2
शुक्र	मकर	18 06 55	श्रवण	3	शुक्र	मकर	20 19 43	श्रवण	4
शनि	कन्या	03 25 01	उ फाल्गुनी	3	शनि	तुला	04 17 09	चित्रा	4
राहु	सिंह	06 51 32	मघा	3	राहु	वृश्चिक	19 56 27	ज्येष्ठा	1
केतु	कुम्भ	06 51 32	शतभिषा	1	केतु	वृष	19 56 27	रोहिणी	3

जन्म लग्न

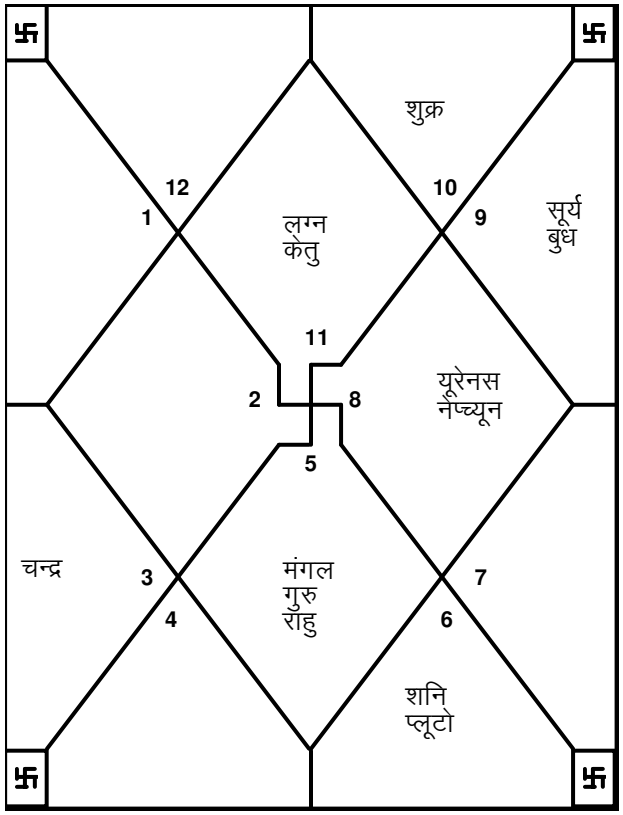

वर्ष लग्न

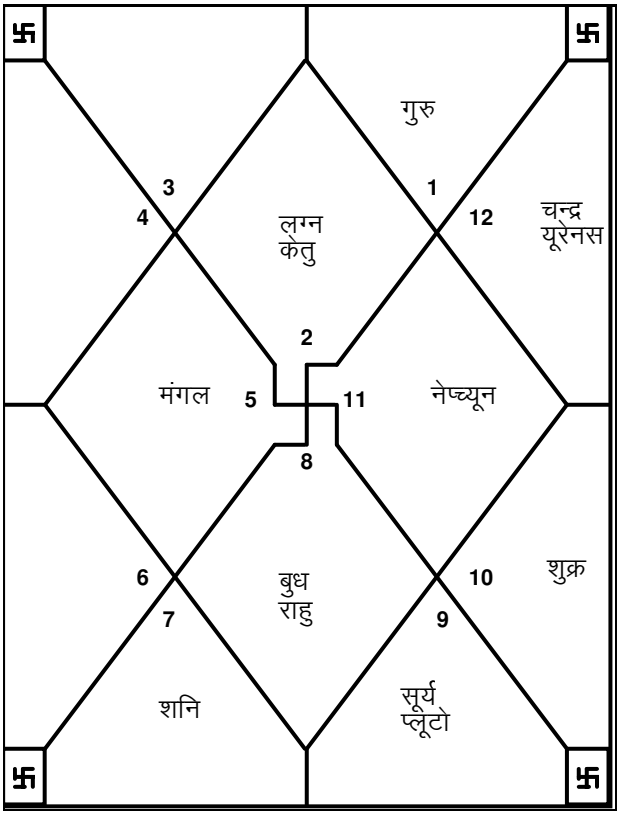

वर्ष लग्न में आपका मुन्था भाव नम्बर 6 में है ।
पहले छः महीने अच्छे नहीं है तथा आप मुकद्मेबाजी और ऋणग्रस्तता के कारण धन खोयेंगे । स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह समय अच्छा नहीं है । शरीर में दर्द रहेगा और कमजोरी महसूस करेंगे । तनाव व झगड़े बढ़ेंगे तथा भाईयों और रिश्तेदारों के बीच में काफी गलतफहमियाँ पैदा होंगी । सत्ताधारी व्यक्ति से विवाद भी होगा ।

01/01/2012–22/01/2012 में आप केतु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
केतु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है ।
इस अवधि में व्यवहारिक रहने का प्रयत्न करें । वस्तुतः इस दौरान आपकी व्यर्थ के कामों में फसें रहने की चेष्टा रहेगी । इन सब बातों के कारण आप व्यर्थ में ही परेशान रहेंगे । अधिक आत्म–विश्वास आपको आपदग्रस्त कर सकता है । पैसा खोने का भी खतरा है । अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहे और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए परिवार के सहारे / मदद पर अधिक निर्भर न रहे । मित्र व हितैषी अपना वचन नहीं निभाएंगे । यात्रा से जितना बचें उतना अच्छा है । विरोधी प्रबल रहेंगे । स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा इसलिए उसका ध्यान रखें ।

22/01/2012–23/03/2012 में आप शुक्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
शुक्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 9 में है ।
उच्च पदस्थ लोगों से आप सम्मान प्राप्त करेंगे और उनके कृपा भाजन रहेंगे । माता पिता और गुरुजनो से सम्बन्ध अति मधुर रहेंगे । इस अवधि के दौरान आप सुदूर प्रदेशों की यात्रा करेंगे । पारिवारिक जीवन आपके लिए सुखद एवं अनुकूल रहेगा । आप के थोड़े प्रयत्न करने पर भी आपकी आमदनी बढ़ जाएगी । इस अवधि के दौरान विपरीत परिस्थितियों से सही तौर पर निपटने की आपकी क्षमता का विकास होगा । अगर आपकी पदोन्नति होने ही वाली है तो जैसी चाहेंगे वैसी ही होगी । आपका दिमाग धार्मिक क्रिया–कलापों एवं जीवन सम्बन्धी उच्च दर्शन की ओर आकर्षित रहेगा । हर लिहाज से यह समय अच्छा है ।

23/03/2012–11/04/2012 में आप सूर्य वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
सूर्य वर्ष लग्न में भाव नम्बर 8 में है ।
अचानक समस्याएँ खड़ी हो सकती है । सम्बन्धियों से व्यवहार अच्छा रखें नहीं तो बेवजह झगड़े होंगे । स्वास्थ्य का ख्याल रखें । लंबी अवधि के लिए बीमार रहने की आशंका रहेगी । अनैतिक कार्यों में प्रवृत्त न होइए तथा संदेहास्पद सौदों से बचें । महत्वपूर्ण कागजों पर दस्तखत करने से पहले कागज अच्छी तरह पढ़े । सब तथ्यों को प्राप्त करके ही कोई व्यापारिक निर्णय लें ।

11/04/2012–11/05/2012 में आप चन्द्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
चन्द्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 11 में है ।
आपके मित्र और सहयोगी आपकी सहायता करेंगे । इस अवधि में आपकी महत्वाकांक्षा और इच्छाओं की पूर्ति होगी । किसी लाभप्रद सौदे से आप सम्बन्ध रहेंगे

। लंबी यात्राओं की प्रबल सम्भावना है । सभी लिहाज से परिणाम बहुत अच्छे रहेंगे ।

11/05/2012–01/06/2012 में आप मंगल वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
मंगल वर्ष लग्न में भाव नम्बर 4 में है ।
इस अवधि में आप मानसिक तनावों और खिंचावों से ग्रसित रहेंगे । सुख अचल सम्पत्ति, वाहन सुख एवं स्त्रियों तथा मित्रों के साथ से वंचित रहेंगे । आर्थिक रूप से यह समय अच्छा नहीं है । इसलिए व्यय भी अधिक होगा । कुछ गुप्त गतिविधियों के लिए भी खर्च करना पड़ेगा । अचानक हानि होने की भी सम्भावना है ।

01/06/2012–26/07/2012 में आप राहु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
राहु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 7 में है ।
इस अवधि में आपके लाख चाहने के बावजूद भागीदारों और सहयोगियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रह पाएंगे । नित्य चर्चा में भी व्यवधान उपस्थित होंगे । पारिवारिक सदस्यों का बर्ताव अच्छा नहीं रहेगा । आपके मुकद्मेबाजी और कानूनी पचड़ों में फंसने की पूरी सम्भावना है । झूठी आशाओं पर निर्भर न रहे क्योंकि आपके मित्रगण जरूरी अवसर पर आपको नीचा दिखाऐंगे । स्वास्थ्य का ध्यान रखें, फूड–पाइजिनिंग का खतरा हो सकता है । जहाँ तक सम्भव हो, यात्राओं से बचें ।

26/07/2012–13/09/2012 में आप गुरु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
गुरु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 12 में है ।
आपमें किसी के प्रति लगाव नहीं होगा और लोग आपके प्रति वैमनस्य का भाव रखेंगे । असुरक्षा की भावना से ग्रसित रहेंगे । फालतु के कामों में आप अपना समय और पैसा बर्बाद करेंगे । आपको दूसरों के लिए काम करना पड़ सकता है । खर्चे बहुत होंगे । विरोधी आपको तनाव–ग्रस्त रखेंगे । जहाँ तक सम्भव हो यात्राओं से आप बचें । स्वास्थ्य का ध्यान रखें नहीं तो समस्याएँ उठ खड़ी होंगी । परिवारजनों के बर्ताव में भी काफी फर्क रहेगा । यह अच्छा रहेगा कि विपरीत परिस्थितियों को झेलते समय आप अपने अंदर प्रतिरोधात्मक शक्ति विकसित करें ।

13/09/2012–10/11/2012 में आप शनि वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
शनि वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है ।
आप अपने कार्य–क्षेत्र में बहुत अच्छा काम करेंगे । नौकरी या व्यवसाय की परिस्थितियों में काफी सुधार आएगा । प्रभावशाली व्यक्तियों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे । रोज–मर्रा के जीवन में आप अत्यधिक स्फूर्तिवान् महसूस करेंगे । विरोधियों की आपके सामने पड़ने की हिम्मत ही नहीं पड़ेगी । आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छा समय सिद्ध होगा । छोटी यात्राएँ उपयोगी रहेंगी । परिवार का माहौल पूर्ण संतोषप्रद रहेगा । इस अवधि के मध्य में छोटी मोटी बीमारी होने की सम्भावना है जिस पर आपको थोड़ा बहुत ध्यान रखने की आवश्यकता है ।

10/11/2012–31/12/2012 में आप बुध वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें ।
बुध वर्ष लग्न में भाव नम्बर 7 में है ।
इस अवधि में आपकी प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा । विद्वानो के साथ रहने का मौका आएगा । आपका व्यापार या व्यवसाय बढ़ेगा और चमकेगा । स्त्री वर्ग से आपके क्षेत्र में सहायता मिलेगी, सुखद यात्रा की भी सम्भावना है । लाभप्रद सौदा करेंगे और आपके भागीदार व सहयोगी आपको अपना बेहतर सहयोग देंगे । किसी प्रतिस्पर्द्धा में भी सफल रहना निश्चित है ।

Sample

लाल किताब वर्ष कुण्डली

जन्म लग्न

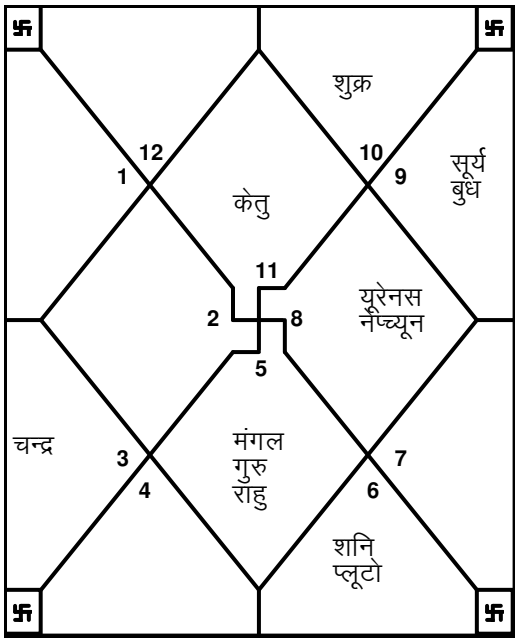

लाल किताब कुण्डली 2012 - 2013

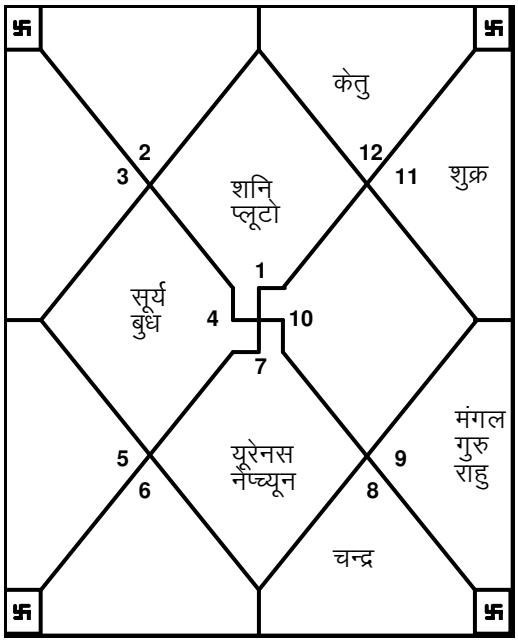

लाल किताब उपाय

सूर्यः मछली और शराब का सेवन न करें, मछलियों को चारा देते रहें ।

चन्द्रः बुजुर्गों के नाम पर दूध का दान करें । श्राद्ध करें ।

मंगलः भाग्य आकर्षण हेतु अपने पास लाल रंग का साफ कपड़ा रखें ।

बुधः घर में तोता, भेड़ न रखें । घर में हरे पौधे रखना अशुभ फल देगा ।

गुरुः गंगादि पवित्र नदियों में स्नान करें, सदैव सत्य बोलें । धर्म में आस्था रखें । नियमित रूप से मंदिर जाएं । केवल शाकाहारी भोजन का सेवन ही करें ।

शुक्रः शनिवार के दिन सरसों के तेल का दान करें ।

शनिः बंदरों को गुड़ चना दें ।

राहुः किसी भी धर्मस्थान में लगातार 5 दिन तक सफाई करें । गले में सोने की चेन पहनें ।

केतुः कुत्तों को अपने भोजन का कुछ अंश देते रहें ।

रत्न विचार

रत्न	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक	सोना	अनामिका	रवि	प्रातः	कृतिका, उ फाल्गुनी, उतराषाढा
मोती	चांदी	कनिष्ठिका	सोम	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	सोना	अनामिका	मंगल	प्रातः	म्गशिरा, चित्रा ,धनिष्ठा
पन्ना	सोना	कनिष्ठिका	बुध	प्रातः	अशलेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	सोना	तर्जनी	गुरू	प्रातः	पुर्नवसु, विशाखा, पूर्वाभद्रपद
हीरा	प्लेटीनम	कनिष्ठिका	शुक्र	प्रातः	भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा,
नीलम	चांदी	मध्यमा	शनि	सांयः	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद
गोमेद	चांदी	मध्यमा	शनि	रात्रि	आद्रा, स्वाती, शतभिषा
लहसुनियां	चांदी	अनामिका	गुरू	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूला

रत्न विचार

रत्नों का उपयोग यदि उचित रूप से किया जाए तो रत्न वास्तव में उचित फल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस कार्य में रत्न का चुनाव अत्यधिक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके अतिरिक्त रत्न की उत्तमता भी अपना विशेष महत्त्व रखती है। किसी भी जातक के लिए निर्धारित किए गए शुभ रत्न, शुभ ग्रहों की किरणो को ग्रहण कर के मानव शरीर में उन किरणों का प्रसार कर शुभ फल प्रदान करने में उपयुक्त सिद्ध होते हैं। यहाँ तीन प्रकार के रत्नों का विवरण दिया गया है।

आजीवन रत्न : पन्ना
भाग्यवर्धक रत्न : हीरा
शुभ रत्न : नीलम

Sample

रत्न विचार

रत्न	मंत्र
माणिक	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मोती	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः।
मूंगा	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।
पन्ना	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।
पुखराज	ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।
हीरा	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
नीलम	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
गोमेद	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।
लहसुनियां	ऊँ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः।

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि किसी भी जातक की जन्म कुंडली में उत्तम ग्रहों की निर्बलता को दूर करने के लिए रत्नों का उपयोग किया जाता है तथा उसमें उपयुक्त रत्न का चुनाव तथा रत्न की उत्तमता अपना महत्त्व रखती है। ठीक इसी प्रकार किसी भी रत्न के धारण करने का समय भी अपना विशेष स्थान रखता है। उचित समय में किया गया कोई भी कार्य सिद्ध होता है। इसी उचित समय को हम मुहूर्त भी कहते हैं– ऐसा शास्त्रों में लिखा गया है। इस लिए रत्न धारण करते समय हमें निर्धारित दिवस, निर्धारित नक्षत्र तथा शुक्ल पक्ष का चुनाव करना चाहिए। किसी भी प्रकार का शुभ कार्य करते समय हमारे शास्त्रों में पूजा पाठ इत्यादि तथा अपने इष्ट देव का ध्यान करना बताया गया है। इस बात को ध्यान में रखकर हमें निर्धारित पूजा भी करनी चाहिए जिस से कि हमारे देवता हमें आशीर्वाद दें तथा हमारे कार्य को सफल बनाएं। रत्न जड़ित अंगूठी धारण करने से पहले इसे गंगा जल में धो लेना चहिए। इस कार्य में आप दूध का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके पश्चात् स्वच्छ मन से, आँखे बंद कर, प्रभु की उपासना करते हुए तथा निर्धारित मंत्रों का जाप संभव हो तो 108 बार करते हुए रत्न जड़ित अंगूठी को निर्धारित अंगुली में धारण करें तथा अपने शुभ चिंतकों में प्रसाद इत्यादि का वितरण करें। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से भी आशीर्वाद लें ताकि वे भी आपके मंगल भविष्य तथा आपकी इच्छाओं की पूर्ति हेतु कामना करें।

अंक शास्त्र

मूलांक	:	1
शुभ अंक	:	2
शुभ समय	:	मार्च 21– अप्रैल 28, जुलाई 21–अगस्त 28
शुभ दिन	:	रविवार और सोमवार
शुभ तारीख	:	1, 4, 7, 10, 13, 19, 28
शुभ वर्ष	:	10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
शुभ रंग	:	स्वर्ण, पीला, ताबां रंग ।
शुभ रत्न	:	पुखराज, कहरुबा, पीला हीरा, और इन रंगो के सारे रत्न ।
स्वास्थ्य	:	आपको अनियमित रक्तचाप, उच्च रक्तचाप, हृदय की धड़कन का बढ़ना, अथवा नेत्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट हो सकता है ।
व्यवसाय	:	आप सरकारी, अर्धसरकारी संगठनों, न्यायिक, राजनैतिक, दवाईयों, आभूषण, इजीनियरिंग इत्यादि कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकते है ।
त्रुटियाँ	:	गुस्सा, अंहकार, स्वाहित वाद, निरंकुशता, गर्व ।

अंक शास्त्र

आप अति महत्वाकांक्षी व्यक्ति है । आप जिस काम में भी हाथ डालते है आपको कामयाबी मिलती है आप नहीं चाहते कि आप पर कोई हुक्म चलाए अथवा आप पर हावी हैं । आप अपने तौर–तरीके से जीवन यापन करेंगे । आप प्रायः किसी भी परियोजना के अग्रणी के रूप में उभर कर अपने व्यवसाय की परिपक्वता का प्रदर्शन करना चाहते है ताकि लोग आपको आदर की दृष्टि से देखें । दूसरे शब्दों में आप अपनी छवि एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति अति सजग एवं सतर्क रहते है । आप खर्च की परवाह किए बिना ऐशों–आराम की जिंदगी जीना चाहते है । कभी–कभार आप दूसरों की कड़ी आलोचना करने लगते है । फिर भी आप अपने सहकर्मियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते है । जिस काम से आप परिचित नहीं है उसे करने में दूसरों की सहायता लेना आपके लिए श्रेयस्कर होगा और किसी काम को अकेला ससंघर्ष करके यश प्राप्त करने का प्रयास न करें, । आप अपने जीवन में शेखी न बघारें तो अच्छा है । स्वास्थ्य की दृष्टि से आपको हृदय रोग से सावधान रहना होगा । जीवन में आगे चलकर आपको रक्त तंत्र एवं उच्च रक्त चाप सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है । आपको अपनी आँखों की जाँच नियमित रूप से करवाते रहना चाहिए । संतरा, लौंग और अदरक का सेवन आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा । आप शहद का भी जितना इस्तेमाल कर सकें बढ़िया होगा । आपको अक्टूबर, दिसम्बर और जनवरी के महीनों में अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए । इस अवधि में आपको हद से ज्यादा काम नहीं करना चाहिए । आप अति कुशाग्र बुद्धि के व्यक्ति है और आपके भीतर काम करने की अपार क्षमता है । आपके कई मित्र है और सगे – सम्बन्धी भी काफी है । इन सब के होते हुए भी आप कभी–कभार इतने बड़े जन–समूह में अपने आपको अकेला महसूस करते है । आप हमेशा दूसरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते है । आपका रवैया काफी सकारात्मक है और अपने प्रति आप काफी आश्वस्त है । कुल मिलाकर आप अति आशावादी व्यक्ति है और कभी भी आसानी से हार नहीं मानते । आपको अपने महत्वपूर्ण कार्य महीने की पहली, 10वीं, 19वीं, और 28वीं तारीख को ही शुरू करने चाहिए ।